06.06.2011 को अद्यतन किया गया

1991 से भारतीय इस्पात क्षेत्र का विकास

1991 से सरकार द्वारा आर्थिक सुधार के लिए की गई पहल से औद्योगिक उत्थान में सामान्य रूप से तथा इस्पात उद्योग में विशेष रूप से, नए आयाम जुडे हैं। कतिपय स्थान स्थिति संबंधी कुछ प्रतिबंधों को छोडकर क्षमता सृजित करने के लिए लाईसेंसिंग अपेक्षा समाप्त कर दी गई है। सरकारी क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की सूची से इस्पात उद्योग को निकाल दिया गया है। अब 100 प्रतिशत तक विदेशी साम्या के निवेश का स्वतः अनुमोदन उपलब्ध है। जनवरी, 1992 से मूल्यन एवं वितरण नियंत्रण समाप्त कर दिया गया है ताकि इस्पात उद्योग सक्षम एवं प्रतिस्पर्धी बन सके। वाह्यय व्यापार, आयात एवं निर्यात दोनों पर से ही, प्रतिबंध हटा लिए गए हैं। आयात शुल्क में भारी कमी की गई है। कुछ और नीति संबंधी उपायों जैसे पूंजीगत माल पर आयात शुल्क में कमी, व्यापार खाते में रूपए की परिवर्तनशीलता, विदेशी वित्तीय बाजार से संसाधनों को लाने ले जाने की अनुमति तथा कुछ अवधि तक विद्यमान कर संरचना को औचित्यपूर्ण बनाने से भी भारतीय इस्पात उद्योग को लाभ मिला है।

लोहे और इस्पात का उत्पादन

(क) परिसज्जित कार्बन इस्पात का उत्पादन

2009-10 में देश में परिसज्जित कार्बन इस्पात का कुल उत्पादन 654.65 लाख टन हुआ जबकि 1991-92 में 143.3 लाख टन उत्पादन हुआ था। परिसज्जित इस्पात के उत्पादन में गौण क्षेत्र की उच्च भागीदारी मुख्यतया सैमीज की भारी सप्लाई, रोलिंग द्वारा अपेक्षित रूप में परिवर्तित करने के लिए मुख्य उत्पादकों से आधारभूत पोषक सामग्री के कारण हैं।

परिसज्जित कार्बन इस्पात का उत्पादन

(दस लाख टन)

वर्ष	मुख्य उत्पैंदक	गौण उत्पैंदक	सकल योग	गौण उत्पादकों की प्रतिशत भागीदारी
1991-92	7.96	6.37	14.33	14.5 प्रतिशत
1992-93	8.41	6.79	15.20	44.7 प्रतिशत
1993-94	8.77	6.43	15.20	42.3 प्रतिशत
1994-95	9.57	8.25	17.82	46.3 प्रतिशत
1995-96	10.59	10.81	21.40	50.6 प्रतिशत
1996-97	10.54	12.18	22.72	53.6 प्रतिशत
1997-98	10.44	12.93	23.37	55.32 प्रतिशत
1998-99	9.86	13.24	23.10	57.32 प्रतिशत
1999-2000	11.20	15.51	26.71	58.07 प्रतिशत
2000-2001	12.51	17.19	29.70	57.88 प्रतिशत

2001-2002	13.05	17.58	30.63	57.4 प्रतिशत
2002-2003	14.39	19.28	33.67	57.27 प्रतिशत
2003-2004	15.19	21.00	36.19	58.03 प्रतिशत
2004-2005	15.611	24.444	40.055	61.02 प्रतिशत
2005-2006 (आंशिक अनुमानित)	16.236	26.40	42.636	61.92 प्रतिशत
2006-2007	17.390	37.756	55.146	68.46 प्रतिशत
2007-2008	17.765	40.565	58.233	69.54 प्रतिशत
2008-2009	17.216	46.229	63.445	72.86 प्रतिशत
2009-2010	18.038	51.093	69.131	73.9 प्रतिशत
2010-2011 (आंशिक अनुमानित)	18.280	57.461	75.741	75.86 प्रतिशत

कच्चे लोहे का उत्पादन

2009-10 में कच्चे लोहे का कुल उत्पादन 57.96 लाख टन हुआ जबकि 1991-92 में 15.9 लाख अन का उत्पादन हुआ था। पहले कच्चे लोहे का उत्पादन मुख्यतया सेल तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. के एकीकृत इस्पात संयंत्रों में हुआ करता था। बाद में, स्वतंत्र कच्चे लोहे इकाइयों में इसमें भारी योगदान मिला।

कच्चे लोहे का उत्पादक-वार उत्पादन

(दस लाख टन)

वर्ष	**मुख्य उत्पादक**	**गौण उत्पैंदक**	**सङ्क ल योग गौण उत्पैंदकों की प्रतिशत भागीदारी**	**सङ्क ल योग गौण उत्पैंदकों की प्रतिशत भागीदारी**
1991-92	1.49	0.10	1.59	6.3 प्रतिशत
1992-93	1.68	0.17	1.85	9.2 प्रतिशत
1993-94	1.98	0.27	2.25	12.0 प्रतिशत
1994-95	2.01	0.78	2.79	28.0 प्रतिशत
1995-96	1.74	1.06	2.80	37.9 प्रतिशत
1996-97	1.73	1.57	3.30	47.5 प्रतिशत
1997-98	1.70	1.68	3.39	49.5 प्रतिशत

1998-99	1.37	1.60	2.97	53.87 प्रतिशत
1999-2000	1.24	1.94	3.18	61.08 प्रतिशत
2000-2001	0.96	2.15	3.11	69.13 प्रतिशत
2001-2002	1.016	3.055	4.071	75.4 प्रतिशत
2002-03	1.11	4.18	5.29	79.05 प्रतिशत
2003-2004	0.97	4.25	5.22	81.48 प्रतिशत
2004-2005	0.625	2.603	3.228	80.63 प्रतिशत
2005-06 (आंशिक अनुमानित)	1.006	2.85	3.856	73.91 प्रतिशत
2006-2007	0.860	4.133	4.993	82.77 प्रतिशत
2007-2008	0.936	4.378	5.314	82.38 प्रतिशत
2008-2009	0.589	5.662	6.211	90.51 प्रतिशत
2009-2010	0.731	5.215	5.946	87.7 प्रतिशत
2010-2011 (आंशिक अनुमानित)	0.579	5.006	5.585	89.63 प्रतिशत

(ग) डी आर आई उत्पादन

1991-92 में डी आर आई का 13.1 लाख टन उत्पादन हुआ जबकि 2009-10 में इसका उतपादन 207.38 लाख टन हुआ। विश्व में वेनेजुएला के बाद डी आर आई के उत्पादन में यह दूसरा सबसे बडा उत्पादक है।

डी आर आई उत्पादन

(दस लाख टन)

वर्ष	**उत्पादन**	**प्रतिशत वृद्धि**
1991-92	1.31	-
1992-93	1.60	22.1 प्रतिशत
1993-94	2.40	50 प्रतिशत
1994-95	3.39	41.3 प्रतिशत
1995-96	4.34	28.02 प्रतिशत

1996-97	5.05	16.4 प्रतिशत
1997-98	5.32	5.34 प्रतिशत
1998-99	5.12	(-)3.8 प्रतिशत
1999-2000	5.34	4.30 प्रतिशत
2000-2001	5.44	1.90 प्रतिशत
2001-02	5.403	(-) 0.7 प्रतिशत
2002-03	6.908	27.96 प्रतिशत
2003-2004	8.085	16.93 प्रतिशत
2004-2005	10.296	-
2005-06 (आंशिक अनुमानित)	12.50	21.4 प्रतिशत
2006-2007	18.345	-
2007-2008	20.376	
2008-2009	21.091	
2009-2010	24.326	
2010-2011 (आंशिक अनुमानित)	26.709	

लोहे और इस्पात का आयात एवं निर्यात

लोहे और इस्पात का आयात			
			(हजार टन)
वर्ष	कच्चा लोहा	इस्पैंत कुल (कार्बन)	कुल मूल्य (कच्चा लोहा + इस्पात) (करोड रूपए)
1991-92	152	1043	1441.32
1992-93	73	1115	1676.00
1993-94	21	1153	1613.00
1994-95	1	1936	2536.00
1995-96	8	1864	3181.00

1996-97	15	1822	3053.00
1997-98	3	1815	2904
1998-99	2	1637	उ.नि.
1999-2000	3	2200	उ.नि.
2000-2001	2	1632	उ.नि.
2001-2002	2	1375	उ.नि.
2002-2003	1	1510	उ.नि.
2003-2004	2	1650	उ.नि.
2004-2005	8	2109	उ.नि.
2005-06	3	3850	उ.नि.
2006-2007 (आंशिक अनुमानित)	3	4436	उ.नि.
2007-2008	11	6581	उ.नि.
2008-2009	8	5839	उ.नि.
2009-2010	11	7382	
2010-2011 (आंशिक अनुमानित)	9	6798	
			। आंशिक अनुमानित

हालांकि भारत ने 1964 से ही इस्पात का निर्यात आरम्भ कर दिया था परन्तु निर्यात विनियमित नहीं था और व्यापक रूप से घरेलू अधिशेष पर आधारित था। तथापि, आगामी आर्थिक उदारीकरण के बाद इस्पात के निर्यात में भारी उछाल आया।

लोहे और इस्पात का निर्यात (हजार टन)

वर्ष	कच्चा लोहा	सेमीज	परिसज्जित कार्बन इस्पात	कुल इस्पात	कुल मूल्य (करोड रूपए)
1991-92	-	5	368	373	283
1992-93	16	154	741	895	708
1993-94	620	585	1020	1605	1678

1994-95	466	399	873	1272	1438
1995-96	502	395	925	1320	1939
1996-97	451	300	1622	1922	2231
1997-98	785	503	1880	2383	2512
1998-99	281	174	1770	1944	उ.नि.
1999-2000	290	328	2670	2998	उ.नि.
2000-2001	230	195	2805	3000	उ.नि.
2001-2002	242	270	2730	3000	उ.नि.
2002-2003	629	460	4506	4966	उ.नि.
2003-2004	576	701	5221	5922	उ.नि.
2004-2005	393	261	4381	4903	उ.नि.
2005-06 (आंशिक अनुमानित)	440	350	4478	4828	उ.नि.
2006-2007 (आंशिक अनुमानित)	350	665	4750	5415	उ.नि.
2007-2008	560	373	4627	5000	उ.नि.
2008-2009	350	746	4437	5183	उ.नि.
2009-2010	362	625	3251	3876	उ.नि.
2010-2011 (आंशिक अनुमानित)	358	350	3461	3811	उ.नि.

परिसज्जित कार्बन इस्पात की प्रत्यक्ष खपत

प्रत्यक्ष खपत किसी एक काल अवधि/वर्ष में इस्पात की वास्तविक मांग को दर्शाता है। 1991-92 में यह 148.4 लाख टन था जो 2009-10 में बढकर 564.75 लाख टन हो गया। प्रत्यक्ष खपत में वृद्धि एक समान नहीं रही।

परिसज्जित इस्पात (कार्बन) की प्रत्यक्ष खपत (दस लाख टन)	
वर्ष	परिसज्जित इस्पात की प्रत्यक्ष खपत
1991-92	14.84
1992-93	15.00 (1.2 प्रतिशत)

1993-94	15.32 (2.0 प्रतिशत)
1994-95	18.66 (21.8 प्रतिशत)
1995-96	21.43 (14.8 प्रतिशत)
1996-97	22.12 (3.2 प्रतिशत)
1997-98	22.63(2.3 प्रतिशत)
1998-99	23.15(2.3 प्रतिशत)
1999-2000	25.01 (8.03 प्रतिशत)
2000-2001	26.87 (7.44 प्रतिशत)
2001-02	27.350 (3.1 प्रतिशत)
2002-03	28.897 (5.32 प्रतिशत)
2003-2004	30.328 (5 प्रतिशत)
2004-2005	34.389 (10.33 प्रतिशत)
2005-06 (आंशिक अनुमानित)	38.151 (10.9 प्रतिशत)
2006-2007	49.777 (30.47 प्रतिशत)
2007-2008	52.125 (4.7 प्रतिशत)
2008-2009	52.351 (0.4 प्रतिशत)
2009-2010	59..339 (13.3 प्रतिशत)
2010-2011 (आंशिक अनुमानित)	65.610 (10.6 प्रतिशत)

(कोष्ठकों में दिए गए आंकडें विगत वर्ष/अनुवर्ती अवधि के दौरान वृद्धि की प्रतिशतता दर्शाते हैं)

1991 से निजी क्षेत्र में सृजित अतिरिक्त क्षमता

भारतीय लोहे और इस्पात उद्योग को लाइसेंस युक्त किए जाने तथा निजी क्षेत्र में अतिरिक्त क्षमता के सृजन के लिए उठाए गए उपायों के कारण लगभग 130 लाख टन वार्षिक क्षमता की 30,835 करोड रूपए के कुल निवेश से 19 परियोजनाएं पहले ही मंजूर की जा चुकी हैं और यह कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। 8 इकाइयां जिनकी कुल क्षमता लगभग 54.5 लाख टन हैं, पहले ही आरंभ हो गई हैं।